MATS UNIVERSITY

Press Release

one-day workshop on the issues of Acid Mine Drainage

Department of Mining Engineering, MATS University conducted one-day workshop on the issues of Acid Mine Drainage, Cause and remedies. Prof M.D. Patel of National Institute of Technology Raipur was the expert for the workshop.

Dr. Bhargava Iyengar , HOD, Deptt. of Mining Engineering started the programme by delivering his speech on this workshop, he thanked MATS University management and Principal Dr. P. Uday Kumar for providing the conducive environment for making student industry ready which will give a strong impact in the students mind in future.

Prof.Patel detailed about the Acid Mine Drainage by showing various pictures of abandoned mine and active mine, he categorically emphasised on pumping out the water from the mine as soon as possible so that mine water should not be in contact with the rocks for more time, he suggested the remedies to mitigate the AMD problem in mine through SAPs method. SAPs method is successive Alkalinity Producing System in which layers of limestone and organic material is used to reduce the ferric to ferrous. Prof. Patel shown the schematic diagram for making the SAPs and ensure the students for providing guidance in preparing SAPs.

Students and faculty of the Deptt. interacted with Prof. Patel and asked many question related to the subject and satisfied with the answer. Prof. patel interacted with the faculty members Mr, Shrikant Sahu, Mr. Raj Ashish, Mr. Saroj Jangde and Mr. Somnath.

At the end of the workshop Mr. Nishant Pagare thanked Prof. M.D. Patel for sharing his vast knowledge and experience with the students of MATS and also thanked MATS University for permitting to conduct the workshop.

मैट्स यूनिवर्सिटी के माइनिंग इंजीनियरिंग विभाग के द्वारा " एसिड माइन ड्रेनेज " कारण और निदान पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया , कार्यक्रम की शुरुवात माइनिंग इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ भार्गव आयंगर के उद्बोधन से हुआ , डॉ आयंगर ने इस विषय की महत्वता और इसके समाज पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की. कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ राष्ट्रीय प्रोद्योगिक संसथान रायपुर के प्रोफेसर एम्. डी. पटेल ने इस विषय पर अपने अनुभव और ज्ञान विद्यार्थियों से साझा किये.

प्रोफेसर पटेल ने बताया की एसिड माईन ड्रेनेज होता क्या है ? और इसको रोका नहीं जा सकता लेकिन इसको कम किया जा सकता है, माईन से निकला हुआ पानी किस प्रकार से दूषित हो जाता है और इसका प्रभाव जनसामान्य में किस तरह के व्याधि उत्पन्न करता है. एसिड माइन वाटर को एल्कलाइन बनाने के लिए और इसके दूषित प्रभाव को

more

कम करने के लिए उन्होंने SAPs मेथड के बारे में बताया , SAPs मेथड मतलब सक्सेसिव अल्कलिनिटी प्रोदूसींग सिस्टम , इस मेथड में माईन वाटर को कंक्रीट के बनाये हुए अलग अलग पोंड से गुजारते है इन पोंड में लाइम स्टोन की और आर्गेनिक मटेरियल की लेयर डाली जाती है जिसमे से एसिड माईन वाटर के जाने से उसमे उपलब्ध फेरिक आयन फेरस आयन में तब्दील हो जाता है और इस तरह से एसिड माइन वाटर को ट्रीट किया जा सकता है.

प्रोफेसर पटेल ने विद्यार्थियों एवं प्राध्यापको के जिग्यासाओ निराकरण और उनके पूछे गए सवालो का विस्तृत रूप से उत्तर दिया, इस दौरान विभाग के श्री श्रीकांत साहू , श्री राज आशीष , श्री सरोज जांगडे और श्री सोमनाथ उपस्थित थे, कार्यक्रम के अंत में माइनिंग विभाग के प्राध्यापक श्री निशांत पगारे ने प्रोफेसर पटेल को मैट्स यूनिवर्सिटी में व्याख्यान देने के लिए धन्यवाद् दिया और संस्था के प्राचार्य डॉ उदय कुमार को और मैट्स यूनिवर्सिटी के प्रबंधन को इस तरह के आयोजन की रुपरेखा बनाने और कार्यन्वन करने के लिए धन्यवाद् प्रेषित किया .